Sixteenth Loksabha

an>

Title: Need to open branches of nationalized banks in rural areas.

श्री लक्ष्मी नारायण यादव (सागर): वर्तमान सरकार का सघन प्रयास है कि देश में आर्थिक लेन-देन बैंकों के माध्यम से हो। इसके लिए आवश्यकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाएं खोली जायें, जिससे ग्रामीणों को दूर तक न जाना पड़े अन्यथा इन्हें दूरस्थ बैंकों से व्यवहार करने में किराये के रुप में आर्थिक हानि तथा समय की बर्बादी होती है। इस कारण वे बैंक की जगह नगद में व्यवहार करना आसान समझते हैं। परंतु देखने में आ रहा है कि कई राष्ट्रीयकृत बैंक ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पहुंच बनाने के लिए नई बैंक शाखाएं खोलने को तैयार हैं लेकिन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से लाईसेंस न दिये जाने से यह व्यवस्था सार्थक नहीं हो रही है। मेरी जानकारी में कई कृषि मंडी समितियों में भी बैंकों की शाखाएं नहीं हैं।

अतः मेरी सरकार से मांग है कि वह रिजर्व बैंक से चर्चा कर ऐसी व्यवस्था करें कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया बैंकों द्वारा चाही गई नई शाखाओं के लिए लाईसेंस देने में उदार दृष्टिकोण अपनायें।